निपुण चैंपियन क्लब

(Skilled Champion Club)

नीलम राय (सहायक अध्यापक)
प्राथमिक विद्यालय मडुवाडीह, विकास खण्ड– काशी विद्यापीठ,
जनपद– वाराणसी, उत्तर प्रदेश

पूर्व की स्थिति –

हर बच्चा सीख सकता है, बस उसे सकारात्मक प्रेरणा की आवश्यकता होती है। इसी विचार को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक विद्यालय मंडुवाडीह में बच्चों की नियमित उपस्थिति को बढ़ाने और ठहराव (Retention) सुनिश्चित करने के उद्देश्य से "निपुण चैंपियन क्लब" की शुरुआत की गई। कक्षा में सभी बच्चों की सीखने की गति असमान होती है जिसके चलते कुछ बच्चों को अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता होती है इसलिए विद्यालय का सकारात्मक वातावरण विकसित करने के साथ बच्चों को भाषा और गणित में निपुण बनाने एवं उनके सीखने के प्रति रुचि बढाने के उद्देश्य से इस पहल को प्रारंभ किया गया। विद्यालय में पीयर लर्निंग (Peer Learning) को बढ़ावा देना भी इस पहल का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है, क्योंकि बच्चे एक–दूसरे से सीखते हुए कठिन विषयों को आसानी और सहजता से सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से प्रतिभाग करते हैं।

क्रियान्वयन –

प्रथम चरण– सबसे पहले प्रार्थना सभा में बच्चों को निपुण चैंपियन क्लब से परिचित करते हुए उन्हें समझाया गया की जो बातें आपको बताई जा रही हैं, उनमे से किसी एक का भी पालन करने पर आप निपुण चैम्पियन बन सकते हैं।

1 – आप प्रतिदिन नियमित रूप से विद्यालय आएंगे

2 – भाषा और गणित में अच्छा प्रदर्शन करेंगे,

3– स्वयं से कहानी या कविता लिखेंगे,

4– सांस्कृतिक कार्यक्रमों, अन्य रचनात्मक गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे

5– प्रतिदिन विद्यालय में होने वाली अन्य गतिविधियों में जैसे प्रार्थना सभा, मिड डे मील मे सक्रिय प्रदर्शन करेंगे

6– विद्यालय व घर सभी जगह स्व अनुशासित एवं ईमानदार रहेंगे

वे सभी **निपुण चैंपियन** बनने हेतु चयनित किए जाएंगे।

द्वितीय चरण : इसके बाद प्रत्येक माह के अंत में उन विद्यार्थियों की पहचान की जाती है जो नियमित रूप से विद्यालय आते हैं, भाषा, और गणित में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तथा दिए गए विषय एवं महत्वपूर्ण शब्दावली का प्रयोग करते हुए स्वयं से कहानी और कविता की रचना करते हैं। ऐसे विद्यार्थियों को "निपुण चैंपियन" की उपाधि दी जाती है।

इसके पश्चात निपुण चैंपियन बच्चों को विद्यालय में आयोजित शिक्षा चौपाल, निपुण उत्सव और एस.एम.सी. की बैठकों में उपरोक्त श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाता है और उन्हें निपुण चैंपियन क्लब का सदस्य बनाया जाता है, जिससे अन्य विद्यार्थियों में भी नियमित रूप से विद्यालय आने और पढ़ाई में बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है, वैसे भी देखा जाए तो प्रशंसा मायने रखती है।

तृतीय चरण : निपुण चैंपियन बच्चों को उनके सहपाठियों का "बडी" (Buddy) बनाया गया है। बड़ी का मुख्य कार्य सीखने की प्रक्रिया में सहयोग करना होता है।

निपुण चैंपियन बच्चे अपने बडी के साथ अपेक्षित अधिगम स्तर प्राप्त करने का प्रयास करते हैं, उन्हें प्रतिदिन विद्यालय आने के साथ साथ अधिगम की प्रक्रिया में सक्रिय प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करते हैं।

निपुण चैंपियन क्लब के माध्यम से विद्यालय में पीयर लर्निंग (Peer Learning) का सकारात्मक वातावरण विकसित हुआ है, जिससे बच्चे एक–दूसरे से सीखते हुए आगे बढ़ रहे हैं और उनमें आत्मविश्वास तथा सहयोग की भावना भी विकसित हो रही है। ऐसे बच्चे जो शिक्षक के समक्ष ठीक से कह नहीं पाते, वे अपने बडी के साथ सारी बातें खुलकर साझा कर पाते हैं।

प्रभाव –

परिणाम स्वरूप निपुण चैंपियन क्लब बच्चों की उपस्थिति एवं ठहराव हेतु सहायक सिद्ध हुआ है। अब बच्चे विद्यालय आने के लिए अधिक उत्साहित रहते हैं और सीखने की प्रक्रिया को आत्मसात कर रहे हैं। निपुण चैंपियन क्लब के माध्यम से बच्चों में सहयोग, नेतृत्व की भावना–और सीखने की प्रकिया में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। बच्चे अब आत्मविश्वास के साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिभाग कर रहे हैं और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

उपलब्धियाँ –

एनसीईआरटी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे इंग्लिश पोयम रेसिटेशन, हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता और वाद–विवाद प्रतियोगिता में विद्यालय के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जनपद स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त डेटॉल इंडिया द्वारा आयोजित ओलंपियाड में बच्चों ने राष्ट्रीय स्तर (National Level) पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। साथ ही पेंटिंग प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने जनपद स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।